THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) to (f) The response of the private sector to the private power programme of Government of India has been encouraging with 128 expressions of interest for setting up power projects in the private sectors. These include 56 proposals from foreign investors, details of which are given in Annexure [*See Appendix. 180, Annexure No. 34]*. The power policy is amended from time to time, keeping in view the changing requirements.

Electricity Regulatory Commissions in the Centre and States

1400. SHRI NILOTPAL BASU:
SHRI MD. SALIM:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether there is a proposal under the Common Minimum National Action Plan for power to set up State level independent State Electricity Regulatory Commissions (SERC);

(b) if so, whether Government proposed to set up an independent Central Electricity Regulctory Commission (CERC) also; if not the reasons therefor;

(c) whether appeals against orders of SERC will lie before the respective State High Courts or before the proposed CERC; and

(d) whether appeals against orders of CERC will lie before the Supreme Court; if not the reasons therefor and the methodology proposed to resolve disputes between central utilities and the state agencies?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) Yes. Sir.

(b) to (d) The proposals in this regard are under consideration of Government.

नाथपा झाकड़ी विद्युत निगम (एन० जे० पी० सी०) के अधिकारी

1401. **श्री महेश्वर सिंह:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1 नवम्बर, 1995 से 31 दिसम्बर, 1996 तक नाथपा झाकड़ी विद्युत निगम के कौन-कौन से अधिकारी कितने-कितने दिनों तक दिल्ली और शिमला स्थित कार्यालयों में रहे तथा उन्होंने कितना-कितना यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता लिया;

(ख) दिल्ली के भाई वीर सिंह मार्ग स्थित नाथपा-झाकड़ी विद्युत निगम की कार्यालय में काम कर रहे 36 व्यक्ति किन-किन पदों पर हैं और शिमला स्थित कार्यालय में कितने अधिकारी किन-किन पदों पर काम कर रहे हैं;

(ग) नाथपा-झाकड़ी विद्युत निगम के उपर्युक्त दोनों कार्यालयों द्वारा प्रतिमाह अलग-अलग कितना-कितना किराया दिया जा रहा है, और

(घ) क्या नाथपा-झाकड़ी विद्युत निगम के दिल्ली स्थित कार्यालय की 7727 वर्ग फुट भूमि वापस करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, यदि हां, तो कब और यदि नहीं तो इसमें कितना समय लगेगा?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ० एस० वेणुगोपालाचारी): (क) 1.11.95 से 31.12.96 के दौरान दिल्ली में नाथपा झाकडी विद्युत निगम (एनजेपीसी) के अधिकारियों द्वारा बिताए गए दिनों की संख्या के विवरण में दर्शाया गया है (**नीचे देखिए**)। इसी अवधि के दौरान दिल्ली में उनके रहने के लिए यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते के भुगतान हेतु एनजेपीसी द्वारा लगभग 4.21 लाख रुपए का व्यय किया गया।